U.P.
ARCHITECTS
ASSOCIATION

AR. R. K. DWIVEDI
PRESIDENT

पत्रांक –यूपीएए / 8 / 1–113 / 10 / 2016
दिनांक–06.10.2016

सेवा में,
आदरणीय श्री राम नाईक जी,
श्री राज्यपाल महोदय
उत्तर प्रदेश,
लखनऊ–226001.

विषयः– स्मार्ट सिटी के सन्दर्भ में भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा दिनांक– 21.10.2016 को लखनऊ में किये जा रहे आयोजन के सम्बन्ध में।

महोदय,

पौराणिक युग से लेकर अंग्रेजी शासन काल तक भारत में वास्तु कला (Architecture) का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। इन सभी काल में वास्तुकला रजवाड़ों तथा सरकारों तक सीमित रही है। उसका लाभ आम जनता तक इतिहास में कभी नहीं पहुंचा। स्वतंत्रता के बाद जीवन की सर्वाधिक उपयोगी इस ललित कला का न केवल विकास हुआ बल्कि आज जनसाधारण तक इसकी उपयोगिता पहुँचने लगी है। इस कला के सार्वजनिक उपयोग का भारत वर्ष में एक अनूठा उदाहरण चडीगढ़ शहर का है जिसे फ्रांस के सुप्रसिद्ध वास्तुविद नियोजक Le Corbusier ने नियोजित किया है। आज लगभग 65 वर्ष के विकास के बाद भी इस नगर में नियोजन अथवा प्रशासनिक किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। इसका मूल कारण शहर के नियोजन में एक वास्तुविद नियोजक की दक्षता का सही एवं पूरा उपयोग करना है।

वर्तमान में बाजारीकरण का प्रभाव जीवन के सभी क्षेत्रों में घना होता जा रहा है। तकनीकी सेवाओं के क्षेत्र में भी इसका बढ़ता प्रभाव राष्ट्रहित को प्रभावित करता हुआ प्रतीत होता है। इस प्रकार के आयोजन आपसी विचार–विमर्श से कार्यों को और अधिक सार्थक बनाने के लिये होते है जिसमें स्वतन्त्र रूप से कार्य कर रहे निजी पेशेवरों (Professionals) की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण होती है, किन्तु उक्त आयोजन में केवल ओद्यौगिक तथा सरकारी लोगों के ही शामिल किये जाने से आयोजन की मंशा सामाजिक सरोकार से हटकर प्रतीत होती है।

हम आशा करते है कि बौद्धिकता को पीछे रख बाजार को आगे रखने की प्रवत्ति पर अंकुश लगाते हुये, नगरीय विकास, विशेषकर स्मॉर्ट सिटी प्रॉजेक्ट्स में वास्तुविदों को अहम भूमिका निभाने के अवसर प्रदान करने की कृपा करेगें।

सधन्यवाद।

भवदीय

राजीव कुमार द्विवेदी
अध्यक्ष

D:\UPAA\UPAA - 1

Website : www.uparchitects.org
118/S-3, 2nd Floor, Maruti Plaza, Sanjay Place, Agra-282002
Mob. : 09412155476 E-mail : president@uparchitects.org